अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2024) दिनांक : 21.12.2024

समय सीमा : 3 घंटा पंचम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

भिक्षु दृष्टांत–30

प्र. 1 किन्हीं बारह प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 12

(क) दान के उत्कृष्ट रसानुभव से कौन से कर्म का बंध होता है?

(ख) 1854 में आचार्य भिक्षु ने कौन सी दो साध्वियों को संघ से पृथक् कर दिया?

(ग) साधु सांसारिक दृष्टि से किसी गृहस्थ के काम क्यों नहीं आ सकता?

(घ) साधु के द्वारा अचित्त वस्तु को खरीदवाने पर क्या खण्डित व भग्न होता है और उसे क्या दण्ड मिलता है?

(ङ) साधु सामायिक क्यों नहीं पराते?

(च) 1856 में नाथद्वारा में आचार्य भिक्षु सामुदायिक गोचरी क्यों नहीं करते थे?

(छ) आचार्य भिक्षु ने पत्थर की नौका के समान किसे कहा?

(ज) आचार्य भिक्षु ने फकीर, सन्यासी, रामस्नेहियों और साधुओं का घर किसे बताया?

(झ) 'तुम्हारी श्रद्धा तुम्हारे पास, हमारी श्रद्धा हमारे पास' यह कथन किस संदर्भ में कहा गया?

(ञ) हेमजी स्वामी ने डूंगरसी से चर्चा क्यों नहीं की?

(ट) टीकम जी ने आश्रव को सावद्य-निरवद्य दोनों किस थोकड़े के आधार पर कहा?

(ठ) हेमजी स्वामी ने मानजी खेतावत को अमावस की रात को खाने का त्याग क्यों करवाया?

(ड) 'अव्रत रह गई कानी' का हेमजी स्वामीने क्या अर्थ बताया?

(ढ) रूपविजय जी ने धर्मास्तिकाय, अधर्मास्तिकाय को क्या बताया?

प्र. 2 कोई तीन घटना प्रसंग लिखें– 18

(क) शुभ योग आश्रव या निर्जरा?

(ख) त्याग भंग क्यों करवाते हो?

(ग) नव तत्त्व की पहचान के बिना सम्यक्त्व कैसे आए?

(घ) सब पूरीया ही पूरिया है।

(ङ) आप 'जी' क्यों कहते हो?

भ्रमविध्वंसन–35

प्र. 3 कोई नौ प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 9

(क) आगमों में काव्य के कितने व कौन से प्रकारों का वर्णन आया है?

(ख) आगमों में अमुनि को सदा सुप्त क्यों कहा गया है?

(ग) कुछ देवों और नरक के कुछ जीवों को असंज्ञीभूत क्यों कहा गया है?

(घ) आचार्यो ने पुण्य बंधन की क्रिया को किसके उदाहरण से समझाया है?

(ड़) हमारे शरीर की सेवा होगी या नहीं इस चिंता से कौन से मुनि मुक्त रहते हैं?

(च) शेलक मुनि को आगमों में क्या विशेषण दिया और क्यों?

(छ) निशीथ भाष्य में असंयति की चिकित्सा को अकरणीय बताते हुए किसका उदाहरण दिया है?

(ज) विदुर नीति में न्याय से कमाये हुए धन के लिए दो अतिक्रम कौन से बताये?

(झ) लोकोत्तर दान किसे कहा गया है?

(ञ) अनुकम्पा दान से क्या तात्पर्य है?

(ट) श्री मज्जयाचार्य का जन्म कब और कहां हुआ?

प्र. 4 कोई दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए– 5

(क) एक उदाहरण से सिद्ध करें कि साधु में भी अशुभ लेश्या होती है।

(ख) उत्तराध्ययन सूत्र में कल्याणकारी बंध के बारे में क्या कहा गया है?

(ग) भद्रा माता ने चूलनीप्रिय श्रावक को पौषध भंग होने पर क्या कहा?

(घ) आत्म रक्षा के तीन कारण में से 'मौन या उपेक्षा' से क्या तात्पर्य है?

प्र. 5 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) सुपात्र किसे कहा गया है एवं उसे दान देने से क्या-क्या लाभ होता है?

(ख) 'जीओ और जीने दो' का नारा क्या महावीर के दर्शन का प्रतिनिधित्व करता है? स्पष्ट करें।

प्र. 6 लब्धि प्रयोग क्या है और जैन दर्शन में यह कितना मान्य है? प्रकाश डालें। 15

अथवा

आचार्य भिक्षु की दान सम्बन्धी मान्यता को स्पष्ट करें।

भिक्षु गीता–20

प्र. 7 कोई तीन प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 3

(क) ध्यान फल कब देता है?

(ख) स्वभाव परिवर्तन के लिए क्या करना चाहिए?

(ग) स्वर्ग की कामना क्यों नहीं करनी चाहिए?

(घ) गण के प्राण कौन सी विशेषताएं हैं?

(ड़) कौन सा व्यक्ति अनुशासन का अनुपालन कर सकता है?

प्र. 8 गण वृद्धि के हेतुओं पर प्रकाश डालें। 5

अथवा

मनोबल के हेतु लिखें।

प्र. 9 कोई दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें– 12

(क) अनुप्रेक्षाप्रयोगेण धर्मद्वारचतुष्टयी।
साधनीया सुशिष्येण साधुत्वं सुस्थिरं ततः।।

(ख) क्वचित् कथंचनाप्येतत् न स्यान् न स्यादिति ध्रुवम्।
अनारोप्ये संघभारः भवेदारोपितो महान्।।

(ग) इदं केवलिना गम्यं नास्माभिः स्वल्पचेतनैः।
इत्युक्त्वा विरमेत्तस्मात् श्रेयो मार्गोऽयमुत्तमः।।

(घ) निरूद्धा दमिताश्चापि भवेयुर्हानिहेतवः।
चेतो नाशो मतेर्नाशः नानारोगसमुद्भवः।।

भिक्षु वाणी–15

प्र. 10 कोई पांच पद्य लिखें– 15

(क) आहार पाणी.......................................उठ जावे।

(ख) लोही खरड़्यो.......................................किम थायो।

(ग) विण अंकुस.......................................साधु नांम।

(घ) ज्यूं साधु.......................................नहिं आचार।

(ड़) राग।

(च) संकीर्णता।

(छ) धर्म।

(ज) होनहार।